

Criteria of a Good Research Hypothesis

उत्तम शोधकथना की विशेषताएँ :-

1. शोधकथना की जांचनीय होना चाहिए - एक अच्छी शोधकथना की विशेषता है कि उल्टी जांच के समय यह हमें खतरा चाहिए कि यदि लक्षण दोनों बाढ़ में भी उभे जाँचा-पहला जा लड़े, एमॉडि शोधकथना शिर्षक के पूर्व भी खरी-उल्टी पक उभे जाँच-पहल कर ही बनानी चाहिए।
2. शोधकथना का आपसी संबंध अन्य शोधकथनाओं से भी होना चाहिए - Researcher द्वारा निर्दिष्ट शोधकथना का संबंध क्षेत्र की अन्य शोधकथना के अनुक्रम में ही इसे एक अच्छी शोधकथना कहा जाता है यदि शोधकर्ता कई Hypothesis बनाता है और उनमें Correlation रहना है तो यह शोध की दृष्टिकोण से खरी माना जाता है।
3. शोधकथना की शिखरी होना चाहिए - शोधकथना के शिखरी का अर्थ है कि शोध करने के समय हमें कम समय खर्च करना पड़े और शोध सुनिश्चित शिखरी शिखरी माना जा लड़े।
4. शोधकथना में नाडिड पूर्णता तथा व्यापकता का गुण होना चाहिए - शोधकथना खरी बनानी चाहिए जिससे शोध करने वाले को शोध शिखरी का एक पर्याप्त उत्तर खीचे मिल जाता है। नाडिड पूर्णता तथा व्यापकता के साथ Hypothesis बनाने से शिखरी शिखरी खरी होना है।

5. परिभाषणा को क्षेत्र में मौखिक लिडिंग एवं नलों से संबंधित होना चाहिए -

सही परिभाषणा को एक उच्च परिभाषणा कहना है और आवश्यक है कि उसे एक क्षेत्र में मौखिक सही लिडिंग एवं नलों से संबंधित होना चाहिए। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि शोधकर्ता कोई सही लिडिंग परिभाषणा नैमा कर लेता है परन्तु वह मौखिक लिडिंगो एवं नलों से मेल नहीं करता है। अतः एक परिभाषणा वैज्ञानिक एवं सही नहीं माना जाता है।

6. परिभाषणा सामान्य प्रवृत्ति को तथा अधिक से अधिक - Deductions बना लेना चाहिए -

परिभाषणा को न तो अतिरिक्त न ही कम लिडिंग होना चाहिए, क्योंकि इसके Relevant Deductions प्राप्त हो पाती है। अतः एक ही क्षेत्र और एक ही वारी में कई नलों की व्याख्या संभव हो पाती है। McLuigan - 1990 ने कहा है - "सामान्य एवं सही Hypothesis निकले वहाँ से अधिकतर अनुमानियाँ - (Deductions) की जाती हैं, अधिक गुणवत्ता परिभाषणा होती है।"

7. परिभाषणा को प्रमुख वैज्ञानिक परीक्षणों एवं उपकरणों से संबंधित होना चाहिए -

परिभाषणा में proposed variables ऐसे होने चाहिए जोकि शोधकर्ता आसानी से जाँच सके। एक अच्छी शोध परिभाषणा को क्षेत्र में उपलब्ध वैज्ञानिक परीक्षणों से संबंधित होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो शोध के प्रत्याशा चले की माँग अस्मर होता है। ऐसी स्थिति में Hypothesis की सत्यता की भी जाँच संभव नहीं हो पाता, ऐसी परिभाषणा अवैज्ञानिक होती है।

⑧ प्रतिकल्पना को स्पष्ट होना चाहिए

शोध परिकल्पना को conceptually clear होनी चाहिए। सबसे Hypothesis में contain/used - concepts objectively परिभाषित हो तथा परिभाषा देनी हो। सबसे कुछ स्पष्ट रूप निष्कर्ष हो तथा वह अधिसूचना मसौ को मान्य हो।

इस तरह उपरोक्त आडुओं के आधार पर परिकल्पना को वेदना बनाने पर शोध (Research) की गुणवत्ता को जायज रखा जा सकता है, शोध को सफल एवं वैधतापूर्ण के लिए-लक्ष्य- (सूचना एवं क्रम) मसौ में वेदना परिभाषित प्राप्त होना जा सकता है।

अतः Hypothesis बनाने समय उपरोक्त निम्नलिखित/आडुओं को ध्यान में रखना चाहिए।

Dr. AJAY KUMAR
Associate Professor
Department of Psychology
J. J. College, VKSU - ARA
8789427854.